छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार : हरेली

चर्चा में क्यों?

08 अगस्त, 2021 को छत्तीसगढ़ अंचल का प्रथम त्यौहार 'हरेली' हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

प्रमुख बिंदु

- हरेली त्यौहार छत्तीसगढ़ का प्रथम त्यौहार माना जाता है, जिसे प्रतिवर्ष सावन माह में हरेली अमावस्या के दिन मनाया जाता है।
- यह त्यौहार छत्तीसगढ़ के किसानों के लिये विशेष महत्त्व रखता है। धान की बुआई के बाद किसानों द्वारा हरेली के दिन सभी कृषि एवं लौह औज़ारों की पूजा की जाती है।
- हरेली पर्व में किसान बैलों और हल सहित विभिन्न औज़ारों की विशेष पूजा करने के बाद खेती-किसानी का काम शुरू करते हैं।
- हरेली त्यौहार के दिन घरों में इस त्यौहार का विशेष व्यंजन 'चीला' बनाया जाता है। इसे औज़ारों में चढ़ाकर इसकी पूजा की है, तत्पश्चात् इसे घर के सदस्यों को प्रसादस्वरूप दिया जाता है।
- हरेली के दिन पुरुषों के द्वारा गेड़ी (बाँस से निर्मित) बनाकर उस पर चढ़ा जाता है। कहीं-कहीं गेड़ी दौड़ का आयोजन भी किया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/first-festival-of-chhattisgarh-hareli